भाव सार

कवितायें

(काग़ज़ों में बंद, ज़िंदगी की हक़ीक़त)

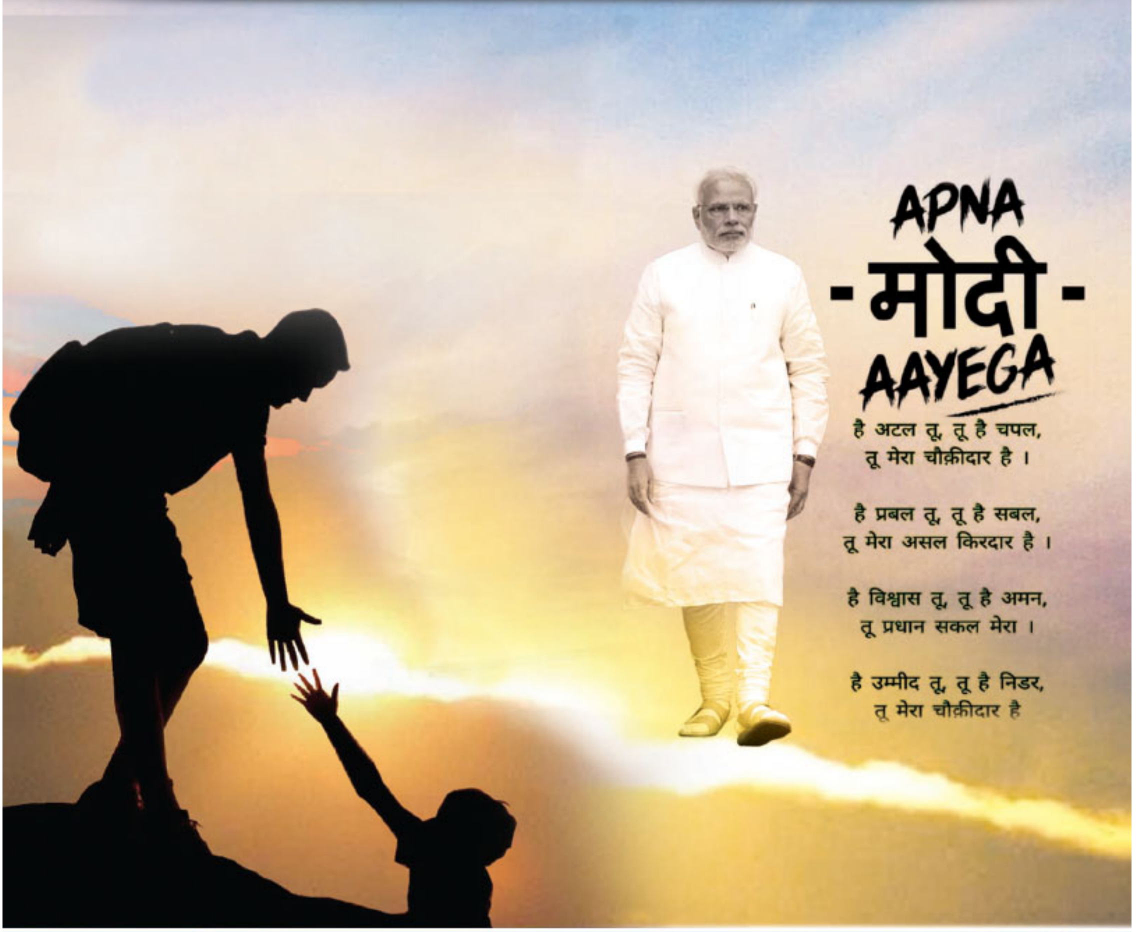

100+ Poetry on Inspiration, Love, Life,
Narendra Modi, India and Indian Emotions

नितिन भावसार

कॉपीराइट © २०२०, नितिन भावसार
सभी अधिकार सुरक्षित।

इस प्रकाशन के किसी भी भाग को लेखक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य भाषा या अन्य इलेक्ट्रॉनिक तरीकों सहित किसी भी रूप में पुन:प्रस्तुत, वितरित या प्रसारित नहीं किया जा सकता है, सिवाय समीक्षाओं और निश्चित रूप से सन्निहित संक्षिप्त उद्धरणों के मामले में। कॉपीराइट कानून द्वारा अनुमत अन्य गैर-वाणिज्यिक उपयोग। अनुमति के अनुरोधों के लिए, नीचे दिए गए ईमेल पते पर लेखक को लिखें।
Nitin Bhavsar - ni3bhavsar@gmail.com

Published in India by Prowess Publishing,
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur,
Chennai, Tamil Nadu 600016

ISBN: 978-1-5457-5286-9

Library of Congress Cataloging in Publication

अनुक्रम

कविताएँ (प्रेरणा स्त्रोत)

1. "हिम्मतों और हौसलों का" 2
2. "ये ज़िंदगी है" 3
3. "मेरी हसरतें और ये ज़माना" 4
4. "पारदर्शी हिन्दुस्तानी" 5
5. "आत्मविश्वास" 7
6. "ज़िंदगी के रास्ते" 8
7. "ज़िंदगी के इम्तिहान" 9
8. "नया साल मुबारक?" 10

कविताएँ (परिवार स्नेह)

1. "मेरे पिता का साया" 12
2. "माँ और मेरा बचपन" 13
3. "माता पिता और हक़ीक़त" 15
4. "मेरी जवानी और माँ बाप का बुढ़ापा" 17
5. "मेरी दीदी है बड़ी" 18
6. "भाई प्रेम" 20
7. "बीवी साहिबा" 22
8. "प्यारे बेटा" 24
9. "पिता की परिभाषा" 25

कविताएँ (ज़िंदगी और सामाजिक जागरूकता)

1. "शादी और तलाक़" 28
2. "आत्महत्या" 31

3. “औरत की इज़्ज़त” 32
4. “सिगरेट छोड़ो आंदोलन” 33
5. “प्रॉपर्टी बिल्डर” 35
6. “चंद काग़ज़ के टुकड़े” 37
7. “हिंदू तू बस सोया रे” 39
8. “धर्म की लड़ाई है” 41
9. “सयाना हिंदू” 43
10. “मैं बहुत शर्मिंदा हूँ” 45
11. “ये वाइरस है या कोई साज़िश” 47
12. “सरकारी कर्म-चोरी” 49
13. “रिश्वत एक बीमारी” 51
14. “नौकरी” 52
15. “रिसेशन” 54
16. “मज़दूर यूनियन” 56
17. “महंगाई की महाभारत” 58
18. “मुंबई की बारिश” 60
19. “दोस्त” 63
20. “आर॰एस॰एस॰” 64
21. “हर हर महादेव” 65
22. “थकान सी लग रही” 66
23. “बचपन बावरा” 67
24. “बचपन की मौज” 69
25. “पुराना दौर” 71
26. “पैसों का नशा” 73
27. “पैसों की दौड़” 75
28. “फ़िलहाल मेरी पहचान अमीरी है” 77

29. “ज़िंदगी की दौड़” 78
30. “पहले और अभी का दौर” 79

कविताएँ (नरेंद्र मोदी और राजनीति)

1. “तू मेरा चौकीदार है” 82
2. “आत्मनिर्भर” 83
3. “मोदी-लहर” 85
4. “मोदी और धर्म नीति २०२४” 86
5. “मोदी संग जन्माष्टमी” 87
6. “मोदी और आज़ादी” 88
7. “भजन-नमो सिवाय” 89
8. “सी०ए०ए० । एन०आर०सी० प्रदर्शनकारी” 90
9. “नोटबंदी” 91
10. “धारा ३७०” 92
11. “चुनाव प्रचार” 93
12. “चुनावी अलर्ट” 94
13. “आ रहे है चुनाव” 95
14. “राजनीतीक शतरंज” 97
15. “नेताजी रिसोर्ट वाले” 98

कविताएँ (भारत और महान भारतीय)

1. “नाम-भगत सिंह” 101
2. “विराट कोहली” 102
3. “सचिन तेंदुलकर” 104
4. “ए०पी०जे० अब्दुल कलाम” 106
5. “मनोहर परींकर” 107
6. “सुषमा स्वराज” 108

7. "इरफ़ान" 109
8. "क्रिकेट वर्ल्ड कप २०११" 110
9. "आई॰पी॰एल॰" 112
10. "के॰बी॰सी॰" 113
11. "बिग बॉस" 115

कविताएँ (आशिक़ों की महफ़िल)

1. "तेरी बेवफ़ाई से" 117
2. "हक़ है तुम्हारा" 119
3. "तेरी दीवानगी का असर" 120
4. "मेरे हमदम" 121
5. "गुमसुम सी ज़िंदगी" 123
6. "तेरे बिना ये दिल कहे" 124
7. "तेरे प्यार का स्वाद" 125

कविताएँ (ग़म की बारिश)

1. "भिखारी से मुलाक़ात" 127
2. "हर तरफ़ सूखा पड़ा" 129
3. "बुरा वक़्त और मेरी चाहतें" 130
4. "दर्द-ए-जिंदगी" 131

कविताएँ (हँसी के फ़व्वारे)

1. "शादी का लड्डू" 133
2. "हैप्पी वैलेंटायन डे" 136
3. "भारतीय रेल्वे" 137
4. "बचपन के दिन" 140

कहानियाँ

1. "ज़िंदगी एक पतंग है या फिर पतंग ही ज़िंदगी है" 143
2. "कौन कहता है मेरा देश गरीब है" 144

English Poetry

1. "Aim High" (Motivation) 146
2. "Zeal" (Inspiration) 147
3. "Hard work pays" (Motivation) 148
4. "Time to Vote" (Social Awareness) 149
5. "Life Puzzle" (Social Awareness) 150
6. "Love Bond" (Love) 151
7. "A Friend" (Love) 152
8. "My Heart Says" (Love Song) 153

लेखक के बारे में 154

1. “हिम्मतों और हौसलों का”

हिम्मतों और हौसलों का,
कर पहाड़ तू बड़ा खड़ा।

टकरा जा हर चट्टान से,
दिखा ताक़त बन जा बड़ा।

आंधीयों, तूफानों का सामना कर,
मत डर किसी से,
कर सामना होकर अड़ा।

इस कठिन, जटिल राह पर,
उम्मीदों से भी बड़े कदम बढ़ा।

कर संघर्ष, अपना आत्मविश्वास बढ़ा,
ये ज़िन्दगी है प्यारे,
हर कदम मुश्किल बड़ा।

ना समझ कमज़ोर खुद को,
बदन पर उत्साह के कपडे चढ़ा।

लड़ अकेला, ना घबरा,
भले हो सामने तेरे,
विरोधियो का दल बड़ा।

2. "ये ज़िंदगी है"

ये ज़िंदगी है दोस्तों,
जीयो अपने हीं अंदाज़ से।
भला किसके बाप की जागीर है,
जो तुमसे कुछ तिनका भी छीन पाएगा।

फ़ैसलों और हौसलों का,
ये नर्म, मासूम सा अर्क है।
बाज़ी खेल जा खुलकर,
भला कौन तुझको तुझसे ही हरा पाएगा।
जीत भी तेरी, हार भी तेरी,
तू ख़ुद हीं है कायनात ख़ुद की।
बस वक़्त रहते,
रहना अपनी हरकतों को टटोलते।
क्यूँकि मंज़र भी तू,
मंज़िल भी तू,
तुझे क्या भला कोई उठाएगा,
क्या कोई गिराएगा।

3. “मेरी हसरतें और ये ज़माना”

मेरी भी उमंगें है कुछ,
ख्वाइशे है उनमे डूब जाने की।
मन तो खूब समझाता मुझे,
क्यों परवाह करता तू ज़माने की।

अभी नहीं कोई साथ तेरे, तो क्या हुआ,
जब बदलेगा दौर तेरा।
तब सब आ जायेंगे पास तेरे,
क्यों परवाह करता तू ज़माने की।

तेरे सपने तेरे ही है,
कोई उनको तुझसे क्या छिनेगा?
जब मिलेगी शोहरत,
तब सब ढूँढेंगे तुझसे मिलने को,
क्यों परवाह करता तू ज़माने की।

उतार चड़ाव तो लगे रहते है,
तू बस सोच तेरी मंजिल को पाने की,
कुछ भी नामुमकिन नहीं इस ज़िन्दगी में,
क्यों परवाह करता तू ज़माने की।

4. “पारदर्शी हिन्दुस्तानी”

मैं हूँ वो कंकड़, जो चट्टानों से टकरा जाता,
मैं हूँ वो नदियाँ का पानी,
जो समंदर में भी मिल जाता।

मैं हूँ अग्रसर हो रहे भारत की परछाई,
जो अपने बलबूते पर, विश्वभर में छा जाता।

मैं हूँ निडर जैसे की नदियाँ का बहता पानी,
कही भी रुख मोड़ लेता अपना,
और दुनिया मानती मेरी कहानी।
मैं हूँ स्वर्णिम भारतीय नागरिक,
और ये है मेरी मेहनत की ज़ुबानी।

जहा भी जाओगे, पाओगे मुझे जरुर वहाँ,
ऐसा हूँ सक्षम मैं भारतवासी,
हर जगह पैर जमा हुआ है मेरा,
मेरी मौजूदगी लाती तरक्की हर जगह,
दूर कर देता मैं दुनिया की उदासी।

मैं हूँ इंजिनियर, मैं हूँ डॉक्टर, मैं हर बड़ा वो विद्वान,
मेरी शिक्षा, मेरे संस्कार, मेरा देश है मेरी ताकत,
कर सकता हूँ हर समस्या का सरल निदान।

मैं कोई शांत प्रवत्ति जीव नहीं,
जाऊ जिधर भी, लाता उन्नति का तूफ़ान हूँ।
मैं हूँ भारतवासी, बना रहा हर जगह अपनी एक पहचान हूँ।
गर्व से कहता हूँ, मैं हूँ भारतवासी,
और मेरा देश महान,
मौजूद हूँ हर जगह अपनी मेहनत से,
फैला रहा विश्वभर में अपना सम्मान हूँ।

क्या करू तरक्की, उन्नति खून में है मेरे,
ऐसा मैं सक्षम भारत का जवान हूँ।

5. “आत्मविश्वास”

मेरी हार पर ख़ुशियाँ मनाने वालों,
एक दिन मेरी जीत भी तुम्हें हराएगी।

मेरी राह में कंकड़ बिछाने वालों,
एक दिन मुझको भी सुहानी राह मिल जाएगी।

है हौसले बुलंद, मेरे भी इस क़दर,
कि एक ना एक दिन मेरी तक़दीर भी रंग लाएगी।

बढ़ूँगा कुछ इस क़दर,
के मेरी हर कोशिश ईनाम पाएगी।

जब पा लूँगा मंज़िल अपनी,
देखते ही देखते,
तुम्हारी फ़ितरत बदल जाएगी।

आना फिर और सोचना मेरी कामयाबी पर,
दिखेगी तब मेरी और सिर्फ़ मेरी ही तस्वीर तुमको,
और फिर तुम्हारी हैसियत भी बदल जाएगी।

मैं हूँ आत्मविश्वास और ये मेरी कहानी है,
जो रखता मुझे ज़िंदा जलाकर अपने दिल में,
मैंने हमेशा इज़्ज़त से, उसी की बात मानी है।

You’ve Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com